

Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

License Information

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, [unfoldingWord](#), 2022, which is licensed under a [CC BY-SA 4.0 license](#).

This PDF version is provided under the same license.

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

1TI

1 तीमुथियुस 1:1, 1 तीमुथियुस 1:2, 1 तीमुथियुस 1:3, 1 तीमुथियुस 1:3 (#2), 1 तीमुथियुस 1:5, 1 तीमुथियुस 1:9, 1 तीमुथियुस 1:13, 1 तीमुथियुस 1:14, 1 तीमुथियुस 1:15, 1 तीमुथियुस 1:16, 1 तीमुथियुस 1:18, 1 तीमुथियुस 1:19, 1 तीमुथियुस 1:20, 1 तीमुथियुस 2:1, 1 तीमुथियुस 2:2, 1 तीमुथियुस 2:4, 1 तीमुथियुस 2:5, 1 तीमुथियुस 2:6, 1 तीमुथियुस 2:7, 1 तीमुथियुस 2:8, 1 तीमुथियुस 2:9, 1 तीमुथियुस 2:12, 1 तीमुथियुस 2:13, 1 तीमुथियुस 2:14, 1 तीमुथियुस 2:15, 1 तीमुथियुस 3:1, 1 तीमुथियुस 3:2, 1 तीमुथियुस 3:3, 1 तीमुथियुस 3:4, 1 तीमुथियुस 3:5, 1 तीमुथियुस 3:6, 1 तीमुथियुस 3:7, 1 तीमुथियुस 3:10, 1 तीमुथियुस 3:11, 1 तीमुथियुस 3:15, 1 तीमुथियुस 3:16, 1 तीमुथियुस 4:1, 1 तीमुथियुस 4:3, 1 तीमुथियुस 4:5, 1 तीमुथियुस 4:7, 1 तीमुथियुस 4:8, 1 तीमुथियुस 4:11, 1 तीमुथियुस 4:12, 1 तीमुथियुस 4:14, 1 तीमुथियुस 4:16, 1 तीमुथियुस 5:1, 1 तीमुथियुस 5:4, 1 तीमुथियुस 5:8, 1 तीमुथियुस 5:10, 1 तीमुथियुस 5:11, 1 तीमुथियुस 5:14, 1 तीमुथियुस 5:17, 1 तीमुथियुस 5:19, 1 तीमुथियुस 5:21, 1 तीमुथियुस 5:24, 1 तीमुथियुस 6:1, 1 तीमुथियुस 6:3-4, 1 तीमुथियुस 6:6, 1 तीमुथियुस 6:7, 1 तीमुथियुस 6:8, 1 तीमुथियुस 6:9, 1 तीमुथियुस 6:10, 1 तीमुथियुस 6:10 (#2), 1 तीमुथियुस 6:12, 1 तीमुथियुस 6:13-16, 1 तीमुथियुस 6:17, 1 तीमुथियुस 6:18-19, 1 तीमुथियुस 6:20

1 तीमुथियुस 1:1

पौलुस को मसीह यीशु का प्रेरित कैसे बनाया गया?
पौलुस को परमेश्वर की आज्ञा से प्रेरित बनाया गया।

1 तीमुथियुस 1:2

पौलुस और तीमुथियुस के बीच क्या सम्बन्ध था?
तीमुथियुस पौलुस का विश्वास में सच्चा पुत्र था।

1 तीमुथियुस 1:3

पौलुस ने तीमुथियुस से कहाँ रहने के लिए समझाया था?
उन्होंने तीमुथियुस को इफिसुस में रहने के लिए समझाया था।

1 तीमुथियुस 1:3 (#2)

तीमुथियुस को कुछ लोगों को क्या न करने की आज्ञा देनी थी?
उन्हें लोगों को आज्ञा देनी थी कि अन्य प्रकार की शिक्षा न दें।

1 तीमुथियुस 1:5

पौलुस ने क्या कहा कि उनकी आज्ञा और शिक्षा का सारांश क्या था?
उनकी आज्ञा का सारांश था, शुद्ध मन और अच्छे विवेक, और निष्कपट विश्वास से प्रेम उत्पन्न हो।

1 तीमुथियुस 1:9

व्यवस्था किसके लिए थी?
व्यवस्था अर्धमियों, निरंकुशों, भक्तिहीनों, और पापियों के लिए है।

1 तीमुथियुस 1:13

पौलुस ने पहले कौन से पाप किए थे?
पौलुस एक निन्दा करनेवाले, सतानेवाले, और एक अंधेर करनेवाले व्यक्ति थे।

1 तीमुथियुस 1:14

पौलुस पर क्या बहुतायत से हुआ कि उसके परिणामस्वरूप वे यीशु मसीह के प्रेरित बन गए?
हमारे प्रभु का अनुग्रह विश्वास और प्रेम के साथ पौलुस पर बहुतायत से हुआ।

1 तीमुथियुस 1:15

मसीह यीशु किन्हें उद्धार करने के लिए जगत में आए?
मसीह यीशु पापियों को उद्धार करने के लिए जगत में आए।

1 तीमुथियुस 1:16

पौलुस क्यों कहते हैं कि परमेश्वर की दया उन पर हुई?
परमेश्वर की दया पौलुस पर हुई ताकि यीशु मसीह अपनी पूरी सहनशीलता एक आदर्श के रूप में पौलुस में दिखाए।

1 तीमुथियुस 1:18

पौलुस ने तीमुथियुस से भविष्यद्वाणियों के अनुसार क्या करने के लिए कहा?
पौलुस तीमुथियुस से कहते हैं कि अच्छी लडाई को लड़ता रहे।

1 तीमुथियुस 1:19

उन लोगों के साथ क्या हुआ जिन्होंने अपने विश्वास और अच्छे विवेक को दूर कर दिया?
इन लोगों के विश्वास रूपी जहाज डूब गए हैं।

1 तीमुथियुस 1:20

उन पुरुषों के लिए पौलुस ने क्या किया जो विश्वास और उस अच्छे विवेक को थामे न रह सके और अपने विश्वास रूपी जहाज डुबो दिया था?
पौलुस ने उन्हें शैतान को सौंप दिया कि वे निन्दा करना न सीखें।

1 तीमुथियुस 2:1

पौलुस किसके लिए प्रार्थनाएँ करने का आग्रह करते हैं?
पौलुस सब मनुष्यों के लिए प्रार्थनाएँ करने का आग्रह करते हैं।

1 तीमुथियुस 2:2

पौलुस क्या चाहते हैं कि मसीहियों को किस प्रकार का जीवन जीने की अनुमति दी जाए?
पौलुस चाहते हैं कि मसीही लोग सभी भक्ति और गरिमा के साथ शांतिपूर्ण और स्थिर जीवन जीने की अनुमति प्राप्त करें।

1 तीमुथियुस 2:4

परमेश्वर सभी लोगों के लिए क्या इच्छा रखते हैं?
परमेश्वर चाहते हैं कि सब मनुष्यों का उद्धार हो; और वे सत्य को भली भाँति पहचान लें।

1 तीमुथियुस 2:5

परमेश्वर और मनुष्यों के बीच मसीह यीशु की क्या भूमिका है?
परमेश्वर और मनुष्यों के बीच मसीह यीशु एक ही बिचर्वई है।

1 तीमुथियुस 2:6

मसीह यीशु ने सभी के लिए क्या किया?
मसीह यीशु ने अपने आपको सब के छुटकारे के दाम में दे दिया।

1 तीमुथियुस 2:7

प्रेरित पौलुस किसे उपदेश देते हैं?
पौलुस अन्यजातियों के लिए एक उपदेशक है।

1 तीमुथियुस 2:8

पौलुस पुरुषों से क्या करवाना चाहते हैं?
पौलुस चाहते हैं कि पुरुष पवित्र हाथों को उठाकर प्रार्थना किया करें।

1 तीमुथियुस 2:9

पौलुस स्त्रियों से क्या अपेक्षा रखते हैं?
पौलुस चाहते हैं कि स्त्रियाँ संकोच और संयम के साथ सुहावने वस्त्रों से अपने आपको संवारें।

1 तीमुथियुस 2:12

पौलुस स्त्रियों को क्या करने की अनुमति नहीं देते?
पौलुस चाहते हैं कि स्त्री न उपदेश करे और न पुरुष पर अधिकार चलाए।

1 तीमुथियुस 2:13

पौलुस द्वारा एक स्त्री को उपदेश देने या पुरुष पर अधिकार का प्रयोग करने की अनुमति न देने का पहला कारण क्या है?

पौलुस का पहला कारण यह है कि आदम को पहले बनाया गया था।

1 तीमुथियुस 2:14

पौलुस द्वारा एक स्त्री को उपदेश देने या पुरुष पर अधिकार का प्रयोग करने की अनुमति न देने का दूसरा कारण क्या है?

पौलुस का दूसरा कारण यह है कि आदम बहकाया न गया, पर स्त्री बहकावे में आकर अपराधिनी हुई।

1 तीमुथियुस 2:15

पौलुस क्या चाहते हैं कि स्त्रियाँ किसमें स्थिर रहें?
पौलुस चाहते हैं कि स्त्रियाँ संयम सहित विश्वास, प्रेम, और पवित्रता में स्थिर रहें।

1 तीमुथियुस 3:1

अध्यक्ष का काम किस प्रकार का काम है?
एक अध्यक्ष का काम भला काम है।

1 तीमुथियुस 3:2

एक अध्यक्ष को क्या करने में निपुण होना चाहिए?
एक अध्यक्ष को सिखाने में निपुण होना चाहिए।

1 तीमुथियुस 3:3

एक अध्यक्ष को मदिरा और धन के विषय में कैसे होना चाहिए?

एक अध्यक्ष को पियकड़, और धन का लोभी नहीं होना चाहिए।

1 तीमुथियुस 3:4

एक अध्यक्ष के बच्चों को उनके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

एक अध्यक्ष के बच्चों को उसकी आज्ञा माननी चाहिए और उसका आदर करना चाहिए।

1 तीमुथियुस 3:5

यह क्यों महत्वपूर्ण है कि एक अध्यक्ष अपने घर का अच्छी तरह से प्रबन्ध करें?

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि वह अपने घर ही का प्रबन्ध करना न जानता हो, तो परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली कैसे करेगा।

1 तीमुथियुस 3:6

यदि अध्यक्ष एक नया चेला है, तो क्या खतरा हो सकता है?

खतरा यह है कि वह अभिमान करेगा और दण्ड पाएगा।

1 तीमुथियुस 3:7

कलीसिया के बाहरवालों में अध्यक्ष की प्रतिष्ठा कैसी होनी चाहिए?

एक अध्यक्ष कलीसिया के बाहरवालों में भी उसका सुनाम होना चाहिए।

1 तीमुथियुस 3:10

सेवा करने से पहले सेवकों के साथ क्या किया जाना चाहिए?

सेवा करने से पहले सेवकों को परखा जाना चाहिए।

1 तीमुथियुस 3:11

धर्मी स्त्रियों की कुछ विशेषताएँ क्या होती हैं?

धर्मी स्त्रियाँ गम्भीर होती हैं; दोष लगानेवाली नहीं, पर सचेत और सब बातों में विश्वासयोग्य होती हैं।

1 तीमुथियुस 3:15

परमेश्वर का धराना क्या है?

जीवित परमेश्वर की कलीसिया परमेश्वर का धराना है।

1 तीमुथियुस 3:16

जब यीशु शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, उसके बाद क्या हुआ?

अन्यजातियों में यीशु प्रचार हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया।

1 तीमुथियुस 4:1

आत्मा स्पष्टता से क्या कहता है कि, आनेवाले समयों में कुछ लोग क्या करेंगे?

कुछ लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे।

1 तीमुथियुस 4:3

ये लोग कौन-कौन से झूठ सिखाएँगे?

वे विवाह करने से रोकेंगे और भोजन की कुछ वस्तुओं से परे रहने की आज्ञा देंगे।

1 तीमुथियुस 4:5

हमारे उपयोग के लिए हम जो कुछ भी खाते हैं, वह कैसे पवित्र होता है?

हम जो कुछ भी खाते हैं, वह परमेश्वर के वचन और प्रार्थना के द्वारा शुद्ध हो जाता है।

1 तीमुथियुस 4:7

पौलुस तीमुथियुस से खुद को किसमें प्रशिक्षित करने के लिए कहते हैं?

पौलुस तीमुथियुस से कहते हैं कि वह भक्ति में खुद को प्रशिक्षित करें।

1 तीमुथियुस 4:8

भक्ति में प्रशिक्षण देह के प्रशिक्षण से अधिक लाभदायक क्यों है?

भक्ति में प्रशिक्षण अधिक लाभकारी है क्योंकि यह इस वर्तमान जीवन और आने वाले जीवन के लिए प्रतिज्ञा देता है।

1 तीमुथियुस 4:11

पौलुस ने तीमुथियुस को उन सभी अच्छी बातों के साथ क्या करने के लिए प्रोत्साहित किया जो उसे पौलुस की शिक्षा में प्राप्त हुई थीं?

पौलुस तीमुथियुस को इन बातों की आज्ञा देने और सिखाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

1 तीमुथियुस 4:12

तीमुथियुस को दूसरों के लिए एक आदर्श कैसे बनना चाहिए?

तीमुथियुस को वचन, चाल चलन, प्रेम, विश्वास और पवित्रता में एक आदर्श बनना चाहिए।

1 तीमुथियुस 4:14

तीमुथियुस को यह आत्मिक वरदान कैसे मिला था?

यह वरदान तीमुथियुस को भविष्यद्वाणी के द्वारा, प्राचीनों के हाथ रखते समय मिला था।

1 तीमुथियुस 4:16

यदि तीमुथियुस अपने जीवन और शिक्षा में विश्वासयोग्य बना रहे, तो वह किसके उद्घार का कारण होगा?

तीमुथियुस अपने, और अपने सुननेवालों के लिये भी उद्घार का कारण होगा।

1 तीमुथियुस 5:1

पौलुस ने तीमुथियुस से क्या कहा कि वह कलीसिया में एक बूढ़े पुरुष के साथ कैसा व्यवहार करें?

पौलुस ने तीमुथियुस से कहा कि उसे पिता जानकर समझाया करें।

1 तीमुथियुस 5:4

विधवा के बच्चों और पोते-पोतियों को उसके लिए क्या करना चाहिए?

बच्चों और पोते-पोतियों को अपने माता-पिता आदि को उनका हङ्ग देना चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

1 तीमुथियुस 5:8

जिसने अपने ही घराने के लोगों की देखभाल नहीं की है, उसने क्या किया है?

वह विश्वास से मुकर गया है, और अविश्वासी से भी बुरा बन गया है।

1 तीमुथियुस 5:10

एक विधवा को किस लिए जाना जाना चाहिए?

एक विधवा को भले कामों को लिए जाना जाना चाहिए।

1 तीमुथियुस 5:11

कलीसिया को जवान विधवाओं के नाम को देखभाल पाने वालों की सूची में क्यों नहीं शामिल करना चाहिए?

ये जवान विधवाएं बाद में विवाह करना चाहेंगी।

1 तीमुथियुस 5:14

पौलुस क्या चाहते हैं कि जवान विधवाएँ क्या करें?

पौलुस चाहते हैं कि जवान विधवाएँ विवाह करें, बच्चे जनें, और घरबार सम्पालें।

1 तीमुथियुस 5:17

जो प्राचीन अच्छा प्रबन्ध करते हैं, उनके लिए क्या किया जाना चाहिए?

जो प्राचीन अच्छा प्रबन्ध करते हैं, वे दो गुने आदर के योग्य समझे जाएँ।

1 तीमुथियुस 5:19

किसी प्राचीन पर दोष लगाने से पहले किन शर्तों को पूरा करना आवश्यक हैं?

जब कोई किसी प्राचीन पर दोष लगाता है, तो दो या तीन गवाहों का होना आवश्यक है।

1 तीमुथियुस 5:21

पौलुस तीमुथियुस को यह आज्ञा देता है कि वह इन नियमों को किस रीति से सावधानीपूर्वक माना करें?

पौलुस तीमुथियुस को यह आज्ञा देता है कि वह इन नियमों को पक्षपात के बिना सावधानीपूर्वक माना करें।

1 तीमुथियुस 5:24

मनुष्यों के पाप कब प्रकट होते हैं?

कुछ मनुष्यों के पाप प्रगट हो जाते हैं, परन्तु दूसरों के पाप न्याय के समय तक दिखाई नहीं देते हैं।

1 तीमुथियुस 6:1

पौलुस ने दासों को अपने स्वामियों का आदर करने के लिए क्या कहा?

पौलुस ने कहा कि दासों को अपने स्वामियों को बड़े आदर के योग्य समझना चाहिए।

1 तीमुथियुस 6:3-4

किस प्रकार का मनुष्य खरी बातों और उपदेश को नहीं मानता है?

जो मनुष्य खरी बातों और उपदेश को नहीं मानता है, वह अभिमानी है और कुछ नहीं जानता है।

1 तीमुथियुस 6:6

पौलुस के अनुसार बड़ी लाभ क्या है?

पौलुस कहते हैं कि सन्तोष सहित भक्ति बड़ी लाभ है।

1 तीमुथियुस 6:7

हम इस जगत में क्या लाए हैं, और जब हम इसे छोड़ेंगे तो
क्या ले जा सकते हैं?
न हम जगत में कुछ लाए हैं और न कुछ ले जा सकते हैं।

1 तीमुथियुस 6:8

हमें इस जगत में किस पर सन्तोष करना चाहिए?
हमें सन्तोष करना चाहिए कि हमारे पास खाने और पहनने
को है।

1 तीमुथियुस 6:9

जो धनी होना चाहते हैं, वे किस में फँस जाते हैं?
जो धनी होना चाहते हैं, वे परीक्षा, और फंदे में फँस जाते हैं।

1 तीमुथियुस 6:10

सब प्रकार की बुराइयों की जड़ क्या है?
रूपये का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है।

1 तीमुथियुस 6:10 (#2)

कुछ लोग जो रूपये से लोभ करते हैं, उनका क्या हुआ है?
कुछ लोग जो रूपये से लोभ करते हैं, वे विश्वास से भटक गए
हैं।

1 तीमुथियुस 6:12

पौलुस क्या कहते हैं कि तीमुथियुस को कौन सी कुश्ती
लड़नी चाहिए?
पौलुस कहते हैं कि तीमुथियुस को विश्वास की अच्छी कुश्ती
लड़नी चाहिए।

1 तीमुथियुस 6:13-16

परमेश्वर कहाँ रहते हैं?
परमेश्वर अगम्य ज्योति में रहते हैं।

1 तीमुथियुस 6:17

धनवानों को अनिश्चित धन में नहीं, बल्कि परमेश्वर में
आशा क्यों रखनी चाहिए?
धनवानों को परमेश्वर में आशा रखनी चाहिए क्योंकि वे हमारे
सुख के लिये सब कुछ बहुतायत से देते हैं।

1 तीमुथियुस 6:18-19

जो लोग भले कामों में धनी हैं, वे अपने लिए क्या करते हैं?
जो लोग भले कामों में धनी हैं, वे अपने लिये एक अच्छी नींव
डाल रखते हैं और सत्य जीवन को वश में कर लेते हैं।

1 तीमुथियुस 6:20

अन्त में, पौलुस तीमुथियुस को उसे दी गई धरोहर के साथ
क्या करने के लिए कहते हैं?
पौलुस तीमुथियुस से कहते हैं कि उसे दी गई धरोहर की वह
रखवाली करे।